सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

फ.सं.11-1/2021-संस्कृत-II
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चत्तर शिक्षा विभाग
(भाषा प्रभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं.: 12045/2021-प्रशा./डीएवीपी-विज्ञापन/सीएसयू/01 दिनांक 28.3.2021

विषयः- राष्ट्रपति पुरस्कारों के अन्तर्गत संस्कृत, पालि, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु एवं शास्त्रीय मलयालम के विद्वानों को सम्मान प्रमाण पत्र तथा समान क्षेत्रों में युवा विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान-वर्ष 2021 हेतु संस्तुतियाँ।

ऊपर वर्णित भाषाओं में 60 से अधिक आयु के विद्वानों को सम्मान प्रमाण पत्र तथा 30-45 वर्ष के युवा विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करने हेतु नामांकन देने के लिए दिनांक 5.3.2021 को एक समसंख्यक परिपत्र योजना में उल्लिखित सभी संबंधित प्राधिकारियों को जारी किया जा चुका है।

अर्हता की शर्तें एवं आदेवन प्रपत्र शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट www.education.gov.in तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर उपलब्ध हैं। उपरिलिखित विषय में वर्णित तत्सम्बन्धी भाषाओं के इच्छुक एवं अर्ह विद्वान पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकते हैं तथा परिपत्र में नामोद्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर उनके नामांकन निम्नलिखित पते पर दिनांक 15 मई, 2021 से पूर्व अग्रसारित किया जाना आवश्यक हैं। अपूर्ण आवेदन पत्र तथा निर्धारित तिथि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्र विचारणीय नहीं होंगें।

कुलसचिव,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान),
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

भारत सरकार के उप-सचिव

एफ.सं.11-1/2021-संस्कृत.II
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

शास्त्री भवन, नई दिल्ली,
दिनांक 5 मार्च, 2021

सेवा में,

1) भारत सरकार के सभी सचिव
2) सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिव
3) सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के शिक्षा सचिव
4) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/ सम विश्वविद्यालयों के कुलपति
5) सचिव, विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के सभी प्रमुख
6) पिछले वर्षों के सभी पुरस्कार विजेता
7) आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और ओडिशा में राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपति

विषय: संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फ़ारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलुगू और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और इन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – **वर्ष 2021 के लिए सिफ़ारिशें**

महोदय,

संस्कृत, अरबी और फारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए वर्ष 1958 में सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार प्रदान करने की एक योजना शुरू की गई थी। वर्ष 1996 में पाली/प्राकृत को इस योजना में समाहित करके योजना का विस्तार किया गया। सम्मान पत्र, संस्कृत, अरबी, फारसी, पाली/ प्राकृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के साथ 60 वर्ष से अधिक आयु के विद्वानों को प्रदान किया जाता है। इस योजना में एक वर्ष के लिए पाली या प्राकृत दोनों में से किसी एक से संबंधित विद्वान को एक सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार प्रदान करना शामिल था। इसके अतिरिक्त, यह योजना संस्कृत, पाली/प्राकृत, अरबी और फारसी के क्षेत्र में 30 से 45 वर्ष की आयु के युवा विद्वानों को महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान भी प्रदान करती है।

2. वर्ष 2016 के बाद से, **32** और पुरस्कार अर्थात शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उड़िया नामक चार शास्त्रीय भाषाओं में प्रत्येक भाषा के लिए 8 पुरस्कार भी

शुरू किए गए हैं। ये भारत के विद्वानों और विदेशों में रहने वाले (विदेशी और भारतीय नागरिकों) विद्वानों के लिए भी आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड्स) हैं और इन शास्त्रीय भाषाओं के युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान हैं।

3. इस संबंध में, यह बताया जाता है कि पुरस्कार विजेताओं को एक शाल और एक बारगी नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जो इस प्रकार है:

i) सम्मान पत्र के लिए प्रत्येक को 5.00 लाख रुपए

ii) आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड) के लिए प्रत्येक को **5.00** लाख रुपए (इसमें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल है)

iii) महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान पुरस्कार के लिए प्रत्येक को 1.00 लाख रुपए

4. अत:, निम्नलिखित के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं: -

क्र.सं.	**भाषा**	**पुरस्कार विवरण**
1.	संस्कृत (कुल 21)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 15 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** – अनिवासी भारतीय अथवा गैर-भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए 5.00 लाख रुपए का एक बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
2.	पाली (कुल 2)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
3.	प्राकृत (कुल 2)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
4.	फ़ारसी (कुल 4)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के नकद पुरस्कार वाले 3 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
5.	अरबी (कुल 4)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के नकद पुरस्कार वाले 3 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का एक बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
6.	शास्त्रीय कन्नड (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** –5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
7.	शास्त्रीय तेलुगू (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** –5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार

8.	शास्त्रीय मलयालम (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – **1.00** लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
9.	शास्त्रीय उड़िया (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार

5. तदनुसार, आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप संलग्न प्रोफार्मा में इन पुरस्कारों के लिए संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उड़िया अध्ययन के क्षेत्र में केवल उत्कृष्ट विद्वानों के नामों की सिफारिश करें जिनके पास शिक्षण अनुभव, प्रकाशित रचनाएँ - प्रकाशित पुस्तकों/लेखों की संख्या, शोध कार्य हैं और जिन्होने पारंपरिक संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु और शास्त्रीय मलयालम अध्ययन को जीवित रखा है।

6. यहाँ यह उल्लेख करना उचित होगा कि संस्कृत के विद्वानों के नाम भेजते समय सिफारिश करने वाले अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि वे जिन विद्वानों की सिफारिश कर रहे हैं, उन्होने अपनी किताबें केवल संस्कृत भाषा में लिखी हो, न कि किसी अन्य भाषा में संस्कृत के विषय पर। यदि यह पाया जाता है कि विद्वानों की किताबें संस्कृत भाषा में नहीं लिखी गई हैं, तो उनके पुरस्कार के लिए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, यह शास्त्रीय भाषाओं सहित अन्य भाषाओं के विद्वानों पर भी लागू होगा। इसके अतिरिक्त, शास्त्रीय भाषाओं के अंतर्गत पुरस्कार हेतु विचार करने के लिए सिफारिश करने वाले अधिकारियों द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाना होगा कि उस विद्वान ने भाषा के शास्त्रीय मूलपाठ में और भाषा के शास्त्रीय चरणों के बारे में काम किया हो, भले ही उनका परिणामी कार्य आधुनिक भाषा में हो।

7. महर्षि बदर्रायण व्यास सम्मान की सिफारिश केवल उन्हीं युवा विद्वानों के लिए की जाए जिन्होंने इन भाषाओं में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए आधुनिकता व परंपरा और कार्यरत वैज्ञानिकों एवं आईटी व्यावसायिकों के बीच सामंजस्य को आगे बढ़ाने केलिए संस्कृत या प्राचीन भारतीय विद्धता के योगदान अंत:विषयी अध्ययन में उत्कृष्ट कार्य किया हो।

8. सिफारिशों में पुरस्कार की सिफारिश हेतु विशेष उपलब्धि की स्पष्ट उल्लेख किया जाए और संलग्न प्रपत्र में विद्धान के चरित्र व पूर्व वृत प्रमाणत्र सहित मंत्रालय में 15 मई, 2021 तक भेज दिया जाए। अपूर्ण पत्र अंतिम तारीख के बाद प्राप्त सिफारिशों पर विचार नहीं किया जाएगा। सिफारिश भेजते समय सभी प्रकाशित कार्यों की विस्तृत सूची के साथ नामिति के पांच सर्वश्रेष्ठ

(अधिकतम) प्रकाशित कार्यों की प्रतियां अग्रेषित की जाएं। इनके न होने पर पुरस्कार के लिए नामिती की उपयुक्कता की जांच करना संभव नहीं होगा।

9. पुरस्कार हेतु संस्तुत विद्वान का विवरण संलग्न प्रपत्र में दिया जाए। पूरा विवरण न होने पर सिफारिश पर उचित विचार करना मुश्किल हो जाता है। अतः अनुरोध है कि प्रपत्र के प्रत्येक कालम में पूरा विवरण दिया जाएअंतर्रष्ट्रिय विद्वान श्रेणी में पुरस्कारों के संबंध में मिशनों/दूतावासों आदि के अध्यक्षों से एतदवारा अनुरोध है कि पुरस्कार हेतु विद्वान की उपयुक्कता की जांच करने में चयन समिति की सहायता के लिए संस्तुत व्यक्ति के नामांकन के साथ-साथ विद्वान की प्रकाशित पुस्तकों का विवरण अधिकतम दो पृष्ठों में दें। इसके अलावा] यदि वे किसी भिन्न भाषा में है तो विद्वान के शीर्षक व कार्य का अंग्रेजी अनुवाद भी दे।

10. राज्य सरकारों आदि से यह भी अनुरोध है कि सिफारिश करते समय वे इस प्रयोजनार्थ व्यक्तियों के विवरण की सावधानीपूर्वक जांच करें। विद्वानों की प्रारंभिक जांच के लिए विशेषकर समिति की स्थापना पर कोई आपत्ति नहीं है] यदि पुरस्कार हेतु सिफारिश के लिए कोई योग्य विद्वान नहीं है तो वे शून्य सूचना दे सकते है। इस वर्ष पुरस्कार के लिए उन विद्वानों के नामों पर विचार किया जाए सकता है जिनकी विगत वर्ष सिफारिश की गई थी किंतु उन्हें पुरस्कार हेतु नहीं चुना गया था।

11. पुरस्कारों हेतु नामों की सिफारिश करते समय इस बात पर जोर दिया जाए कि पुरस्कार उन विद्वानों के लिए है जो संबंधित भाषाओं और विशेषज्ञता के संबंधित क्षेत्रों में प्रवीण है और न कि उनके लिए जिन्हें इन भाषाओं में उपलब्ध साहित्य का महज उपरी ज्ञान है] इस पर भी जोर दिया जता है कि सिफारिश करते समय प्राधिकारी इस तथ्य का संज्ञान ले जिन विद्वानों की सम्मान प्रमाणपत्र हेतु सिफारिश की जा रही है उन्होंने अपनी संबंधित भाषा में उल्लेखनीय काम किया है। दूसरे शब्दों में संस्कृत भाषा में संबंधित सिफारिशकर्ता प्राधिकारी सुनिश्चित करे कि सम्मान प्रमाणपत्र हेतु संस्तुत व्यकित के संस्कृत पर की अपेक्षा संस्कृत में पुस्तकों लिखी/प्रकाशित की है। अन्यथा इससे पुरस्कार देने का प्रयोजन ही समाप्त हो जाएगा।

12. अनुरोध है कि सिफारिश करने से पूर्व जहां आवश्यक समझें] गोपनीय तरीके से विश्वविद्यालय/पुस्तकालय व अन्य स्वयंसेवी संगठन से भी विचार-विमर्श किया जा सकता है।

13. ये पुरस्कार उन्हें नहीं दिए जाते जिन्हें इसे पहले यह मिल चुका हो यामरणोपरांत नहीं दिए जाते अथवा उन व्यक्तियों को नहीं दिए जाते जिन्हें न्यायालय ने किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराया जो अथवा उनके खिलाफ कोई मामला किसी न्यायालय में लंबित हो। अतः सरकार को परेशानी ना हो इसके लिए ऐसी घटना की सरकार को तत्काल सूचना दी जाए जिससे नामिती पुरस्कार हेतु अपात्र बन जाता है और इसकी सूचना देना] नामांकन भेजने वाले व्यक्ति का पूर्ण दायित्व है।

14. पुनः दोहराया जाता है कि प्राधिकारियों द्वारा जिन्हें यह पत्र संबोधित किया गया है विधिवत संस्तुत सभी नामांकनों पर पुरस्कार देने के लिए विचार चयन समिति द्वारा किया जाएगा। इस पत्र द्वारा संबोधित से इतर और संगठन में कार्यरत प्राधिकारी से प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

15. सिफारिशकर्ता प्राधिकारियों से अनुरोध है कि वे एकल विद्वान से स्वयं आवेदन या अनुरोध पर विचार न करके इस पुरस्कार की पूर्व गोपनीयता व गरिमा बनाए रखे। संबंधित विद्वानों के बारे में अन्य स्रोतों से पूरी सूचना/विवरण प्राप्त करने के लिए पूछताछ की जा सकती है चूंकि उन्हें ये जानकारी होने की आशा नहीं की जाती कि उनके नाम की सिफारिश की जा रही है। सिफारिश के साथ विद्वान द्ववारा स्वयं दी या भेजी गई सामग्री नहीं दी जानी चाहिए। विद्वान की ओर से किसी प्रकार का प्रचार उसके अहित में होगा व इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

16. संबंधित सिफारिशकर्ता प्राधिकारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित चरित्र व पूर्ववृत प्रमाणपत्र के साथ पूर्ण नामांकन रेजिस्ट्रॉर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान), 56-57, इंस्टिट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 को अग्रेषित किए जाने चाहिए। अपूर्ण या अंतिम तारीख के बाद प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

भवदीया,

संलग्नकः यथोपरि।

सुमन दीक्षित

(सुमन दीक्षित)
उप सचिव,भारत सरकार
☎ : 011-23070446

प्रतिलिपि

1. अध्यक्ष, यूजीसी, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
2. निदेशक, 17-बी, एनसीईआरटी, श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली-110016
3 निदेशक, राष्टीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद, फरोग-ए-उर्दू भवन, एफसी-33/9 इंस्ट्टियूशनल एरिया, जसोला, नई दिल्ली-110025
4 उप-कुलपति, न्यूपा, एनसीईआरटी परिसर, श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली
5 निदेशक, नेशनल बुक टस्ट, ए-5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16
6 निदेशक, साहित्य अकादमी, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली
7 निदेशक, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मनासंगोत्री, मैसूर-570006
8 अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, वेस्ट ब्लाक नः VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066
9 निदेशक, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, वेस्ट ब्लाक नः VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066
10 निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संगठन मार्ग, आगरा-282005
11 निदेशक, केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान, एलएमवी बिल्डिंग, 100 फिट रोड, तारामणी, चेन्नई-600113
12 निदेशक, राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद, नई दिल्ली
13 सचिव, महर्षि संदिपनी राष्टीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, एम.पी.
14 रजिस्टार, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्टीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
15 रजिस्टार, राष्टीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति
16 रजिस्टार, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली

अनुरोध है कि संलग्न प्रपत्र में सिफारिशें रजिस्टार, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान), इंस्टिट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-67 को 15 मई, 2021 तक अवश्य भेज दी जाएं।

सुमन दीक्षित

(सुमन दीक्षित)
उप सचिव,भारत सरकार
☎ : 011-23070446

अंतिम तिथि : **15.05.2021**

2021 वर्ष के राष्ट्रपति पुरस्कार महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर के लिए अनुशंसा हेतु प्रोफोर्मा

जिस पुरस्कार के लिए अनुशंसा की गई है (कृपया निशान लगाएं)

I	**सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर** **(60 वर्ष और उससे अधिक की आयु के विद्वानों के लिए)**	
	महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान **(30 से 45 वर्ष की आयु के युवा विद्वानों के लिए)**	

जिस क्षेत्र हेतु अनुशंसा की गई है (कृपया निशान लगाएं)

II	**संस्कृत**		**पाली**		**अरबी**		**पारसी**	
	शास्त्रीय उड़िया		**शास्त्रीय मलयालम**		**शास्त्रीय कन्नड़**		**शास्त्रीय तेलुगु**	
	प्राकृत							

III	**अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी का पूरा नाम (बड़े अक्षरों में).**														
	यदि अनुशंसा करने वाला प्राधिकारी एक सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर प्राप्तकर्ता है, तो अवार्ड प्राप्त करने के वर्ष का उल्लेख करें।														
	अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी का पदनाम .														

वर्ष 2021 हेतु अनुशंसा

(अनुशंसित व्यक्ति का विवरण)

1.	**पूरा नाम (अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)**	:	
	पूरा नाम (हिन्दी लिपि में)	:	
2.	**पूरा स्थायी पता**	:	

3.	i) **जन्म-तिथि** ii) **आयु**	:	**दि न मा ह व र्ष** **वर्ष** | **माह**
4.	**(क) विश्वविद्यालय, वर्ष और वर्ग / प्रभाग के नाम के साथ योग्यता**	:	
	(ख) जिस संगठन में सेवा दी उसका नाम, धारित पद और सेवा अवधि सहित अनुभव		
	(ग) विशेषज्ञता का विषय	:	
	परम्परागत विद्वानों के लिए (जहां कहीं भी लागू हो)		
	(क) अध्ययन का स्थान और अवधि एवं *गुरूओं* के नाम	:	
	(ख) अधिकतम ग्रंथ जिनमें परम्परागत विद्वानों की विशेषज्ञता हो।	:	
	(ग) उसके अंतर्गत अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या और शिक्षा प्राप्त करने का स्तर।	:	
	(घ) डिग्री/डिप्लोमा, यदि कोई हो, वर्ष और परीक्षा निकाय सहित उसका नाम		
5.	(क) अध्ययन शाखा (ख) विकरित पाठ विशेषज्ञता (ग) क्या भाष्य का अध्ययन किया है? यदि हां तो , उत्तीर्ण की गई परीक्षा	:	
6.	पुस्तक/ प्रकाशन (क) लिखित (ख) संपादित (ग) अनुवादित विषय/ भाषा इंगित करें।	:	
7.	**उसके मार्गदर्शन के अंतर्गत पीएच.डी/डी.लिट की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यर्थियों/शोध विद्वानों की संख्या**	:	
8.	पहले से प्राप्त मान्यता/सम्मान ,	:	

	i) मान्यता/सम्मान का शीर्षक ii) वर्ष iii) प्रदानकर्ता प्राधिकरण/संगठन		
9.	संबंधित भाषा को लोकप्रिय बनाने की दिशा में विवरण सहित विशेष योगदान	:	
10.	यदि किसी सम्मेलन / काव्य संगोष्ठी / वाद-विवाद / विद्वत सभा में भाग लिया हो (स्थान, तारीख और संगठन एवं शोध पत्रों का विवरण दें)	:	
11. #	परंपरा और आधुनिकता के बीच तालमेल बैठाने की प्रक्रिया के लिए संस्कृत / फारसी / अरबी / पाली / प्राकृत अथवा शास्त्रीय कन्नड़ / शास्त्रीय तेलुगु / शास्त्रीय तेलुगु / शास्त्रीय मलयालम / शास्त्रीय उड़िया की शास्त्रीय भाषाओं या प्राचीन भारतीय ज्ञान में योगदान सहित अंतर-विषयक अध्ययन में किए गए कार्य एवं सफलताएं।		
12	कृपया पुरस्कार हेतु विद्वान के नाम की अनुशंसा किए जाने के विशेष कारण/विस्तृत औचित्य बताएं।	:	

साथ ही मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि श्री/ श्रीमती/कुमारी..... को इससे पहले ..... के लिए सम्मानित नहीं किया गया है, जिससे लिए मैं उनके नाम की अनुशंसा कर रहा हूं।

_____

अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

(अनुशंसा कर्ता प्राधिकारी का नाम और मुहर)

नोट 1: नामांकित व्यक्ति द्वारा सर्वश्रेष्ठ पाँच (अधिकतम) पुस्तक / प्रकाशन की प्रति संलग्न की जानी चाहिए; अन्यथा अनुशंसा पर विचार नहीं किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी हो जाने के पश्चात, इसे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान), नई दिल्ली को वापस लौटा दिया जाएगा।

नोट 2: # यह कॉलम विशेष रूप से आईटी और विज्ञान पृष्ठभूमि वाले अन्य विद्वानों और महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान हेतु अनुशंसित विद्वानों के संदर्भ में भरा जाना आवश्यक है।

चरित्र और पूर्ववृत्त प्रमाण-पत्र

मैं _____सुपुत्र/सुपुत्री_____ निवासी_____, की हैसियत से (यदि अनुशंसा कर्ता विगत में सम्मान प्रमाण-पत्र प्राप्तकर्ता है, पुरस्कार का वर्ष इंगित करें), एतत द्वारा पुष्टि करता हूं कि _____ _____ सुपुत्र, सुपुत्री श्री _____ _____निवासी _____ को विगत _____ वर्षों से जानता हूं और इनका चरित्र उत्तम है। इनके विरूद्ध किसी न्यायालय में कोई मामला लंबित नहीं है और न ही इन्हें अतीत में कभी भी दोषी नहीं ठहराया गया है। .

साथ ही मैं एतत द्वारा ऐसी कोई भी घटना जो नामिति को पुरस्कार हेतु आयोग्य बनाती हो, के बारे में सरकार को संसूचित करने का भी वचन देता हूं।

(_____)

अनुशंसा कर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम:_____

_____

_____

स्थान :

तारीख :